

सुख सागर में आय के मत जावो हंस प्यासा भजन लिरिक्स



सुख सागर में आय के,
अरे इन भवसागर में आयके,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी IbdI

अरे गगन मंडल में अमृत बरसे,
पीले स्वासम स्वासा,
अरे गगन मंडल में अमृत बरसे,
पीले स्वासम स्वासा,
अरे भई पीले स्वासम स्वासा,
धन्ना ने पिया सुदामा ने पिया,
धन्ना ने पिया सुदामा ने पिया,
अरे पिया रविदासा,
अरे पिया रविदासा,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी IbdI

अरे ध्रुवजी ने पिया प्रह्लाद ने पिया,
मिट गई जम री त्रासा,
अरे ध्रुवजी ने पिया प्रह्लाद ने पिया,
मिट गई जम री त्रासा,
गोपीचंद भरतरी ने पिया,
गोपीचंद भरतरी ने पिया,
अरे हुआ शब्द परकाशा,
अरे हुआ शब्द परकाशा,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी IbdI

अरे शबरी ने पिया कमालीन ने पिया,
मीराबाई पी गई आशा,
अरे शबरी ने पिया कमालीन ने पिया,
मीराबाई पी गई कासा,
कबीर सा ने प्रेम रस पिया,
कबीर सा ने प्रेम रस पिया,
अरे पुरण हो गई आसा,
अरे पुरण हो गई आसा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के ही अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।



सुख सागर में आय के,
अरे इन भवसागर में आयके,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी ।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818